वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 263 | बुधवार 18 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में रात 12 बजे से पहले क्लब-बार बंद होंगे

गहलोत बोले- गली-गली में खुल गए, रेग्यूलेशन जरूरी; स्टेट बजट 8 फरवरी को

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में बार-क्लब रात 12 बजे से पहले बंद करने होंगे। सीएम गहलोत ने देर रात तक खुले रहने वाले बार, क्लबों और रेस्टोरेंट पर चिंता जताई है। सरकार के दो दिन के चिंतन शिविर के आखिरी दिन मंगलवार को सीएम ने यह निर्णय लिया है। इसके अलावा जनता से जुड़े काम अटकाने और सरकारी योजनाओं का काम रोकने पर अब अफसरों की खैर नहीं। ऐसे अधिकारियों-कर्मचारियों को बर्खास्त किया जाएगा। गहलोत ने कहा- जानबूझकर पब्लिक स्कीम्स में अड़ंगा लगाने वाले अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। प्रशासन शहरों के संग अभियान में 10 लाख पट्टे देने का टारगेट था, हमने देखा कि कई जगह नगरपालिकाओं के ईओ सहयोग नहीं कर रहे। हमने तय किया है कि कोई जानबूझकर ऐसा कर रहा है तो ऐसे लोगों को सरकारी सेवा से बर्खास्त करना चाहिए।

रात 12 से पहले दुकान समेट लें ताकि लोग घर पर रह सकें

चिंतन शिविर के दौरान सीएम ने देर रात तक खुलने वाले क्लब, बार, रेस्टोरेंट को 12 बजे से पहले हर हाल में बंद करवाने का फैसला किया है। गहलोत ने कहा कि गली-गली आज क्लब और बार खुल गए हैं। आगे हम सोचेंगे कि इन्हें कैसे रेगुलेट किया जाए, लेकिन अभी 11:30 से 12 बजे तक बंद करें। ये रात 12 बजे से पहले अपनी दुकान समेट लें ताकि लोग आराम से घर पर रह सकें। सीएम अशोक गहलोत 8 फरवरी को इस कार्यकाल का आखिरी बजट पेश करेंगे। गहलोत ने कहा– 23 फरवरी को सत्र शुरू हो रहा है। 8 फरवरी को राजस्थान सरकार का बजट पेश किया जाएगा। इस बार बजट युवाओं पर फोकस रहेगा।

राइट टू सोशल सिक्योरिटी एक्ट का प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाएगा

सीएम अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार से राइट टू सोशल सिक्योरिटी लागू करने की मांग की है। गहलोत कैबिनेट ने राइट टू सोशल सिक्योरिटी लागू करने का प्रस्ताव पास किया है। इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। गहलोत ने कहा कि सोशल सिक्योरिटी एक्ट लागू करना अब समय की मांग है। जिस तरह विकसित देशों में हर सप्ताह बुजुर्गों, जरूरतमंदों को पैसा दिया जाता है उसी तरह अब केंद्र सरकार को पूरे देश में सोशल सिक्योरिटी एक्ट लागू करना चाहिए।

जनता के काम अटकाने पर मंत्रियों ने उठाए सवाल

चिंतन शिविर में यूडीएच और स्वायत शासन विभाग के कामकाज पर कई मंत्रियों ने सवाल उठाए। मंत्रियों ने शहरों में पट्टे बांटने में अफसरों के अड़ंगे लगाने और बेवजह परेशानी पैदा करने का मुद्दा उठाया। मंत्रियों की राय थी कि सरकार की बड़ी योजनाओं पर अफसरों को संवेदनशील और जिम्मेदार बनाना होगा। प्रशासन शहरों के संग अभियान में कई जगह पट्टे देने में अफसरों के अड़चनें पैदा करने के मामले उठे। इस पर सीएम ने भी दखल देते हुए ऐसे अफसरों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने को कहा। बाद में सीएम गहलोत ने मीडिया से बातचीत में सरकारी स्कीम्स के काम जानबूझकर अटकाने वाले अफसरों को नौकरी से बर्खास्त तक करने की घोषणा की।

इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना में बैंकों से सहयोग नहीं

गहलोत ने कहा कि इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना हमारी सरकार की शानदार योजना है। लेकिन इसमें बैंकों से पूरा सहयोग नहीं मिल रहा है। मैंने मुख्य सचिव को इस समस्या के समाधान के लिए बैंकर्स के साथ शीघ्र बैठक करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन शहरों के संग अभियान में जो रियायतें दी गई हैं उनका पूरा लाभ आम आदमी को दिलाने के लिए निर्देश दिए हैं। कच्ची बस्ती के लोगों को समय पर पट्टे देने के आदेश दिए हैं।

मंच पर पहली बार वाद्य पर एक साथ बजाए 52 राग

जयपुर. शाबाश इंडिया

सनातन सात्विक स्वर संवाद में पं. विश्वमोहन भट्ट और सलिल भट्ट की असरदार जुगलबंदी जयपुर के छह दशक से भी अधिक पुराने संगीत कला निकेतन की ओर से मंगलवार को आयोजित सनातन सात्विक संवाद कार्यक्रम उस समय परवान चढ़ गया जब ग्रेमी अवॉर्ड विजेता पद्मभूषण पं. विश्व मोहन भट्ट ने अपने पुत्र और शिष्य तंत्री सम्राट पं. सलिल भट्ट के साथ मिलकर भारतीय शास्त्रीय संगीत के 52 अनूठे रागों की माला पिरोई। होटल आईटीसी राजपूताना में सजी संगीत की इस अनूठी महफिल में पं. विश्व मोहन ने अपनी परिकल्पना और भारतीय शास्त्रीय संगीत के अनेक शास्त्रगत रागों को मिलाकर कुल 52 राग को एक के बाद एक क्रमवार बजाया। इस प्रस्तुति में सलिल ने सात्विक वीणा पर अपने गुरु का भरपूर साथ दिया। विश्व मोहन ने राग माला की ये सौगात सलिल को उनके 52वें जन्मदिन पर देकर अनूठा सांगीतिक आशीर्वाद दिया।

अंन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज की 557 दिवसीय सिंह निष्क्रीडित व्रत साधना का महापारणा महोत्सव

शामिल होने के लिए जयपुर से स्पेशल ट्रेन द्वारा 1100 यात्रियों का दल सम्मेद शिखर जी जाएगा, श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ के तत्वावधान में जायेगा दल

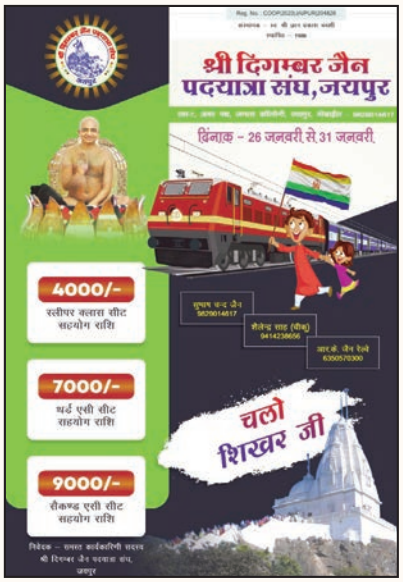

जयपुर. शाबाश इंडिया

साधना के शिखर पुरुष 557 सिंहनिष्क्रीडित व्रत के साधक साधना महोदधि अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज की कठोरतम महासाधना उपरांत अभूतपूर्व महापारणा महाप्रतिष्ठा महामहोत्सव में शामिल होने हेतु जयपुर से 1100 यात्रियों का दल सम्मेद शिखर जी जायेगा। श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के संरक्षक सुभाष चन्द जैन ने बताया कि स्पेशल ट्रेन यात्रा अन्तर्मना एक्सप्रेस के माध्यम से 1100 यात्रियों का दल गुरुवार,26 जनवरी को जयपुर से रवाना होगा ।जो 27 जनवरी को सम्मेद शिखर जी पहुंचकर शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी में 27 जनवरी से शुरू होने वाले महापारणा महाप्रतिष्ठा महामहोत्सव में शामिल होगा। रेल यात्रा के मुख्य संयोजक शैलेन्द्र शाह'चीकू' ने बताया कि सम्मेद शिखर जी में महापारणा महाप्रतिष्ठा महामहोत्सव में जयपुर वासियों की भागीदारी

के लिए आवास,भोजन, सामूहिक पर्वत वन्दना सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु जयपुर से विनेश सोगानी एवं राजेन्द्र जैन मोजमाबाद के नेतृत्व में एक टीम सम्मेद शिखर जी रवाना हुई जो सम्मेद शिखर जी पहुंचकर मुनि पियूष सागर महाराज एवं महामहोत्सव के पदाधिकारियों से मिलकर सारी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेगी। स्पेशल ट्रेन यात्रा के लिए आर के जैन रेलवे को रेलवे समन्वयक तथा सुरेश ठोलिया, प्रकाश गंगवाल, सूर्य प्रकाश छाबड़ा,अमर चन्द दीवान खोराबीसल, विनेश सोगानी, मनीष लुहाड़िया, विनोद जैन कोटखावदा एवं जिनेन्द्र जैन को संयोजक बनाया गया है। यात्रा दल में शामिल होने के लिए मोबाइल नम्बर 98290 14617 एवं 94142 38656 पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।सुभाष चन्द जैन के मुताबिक यह रेल यात्रा दल 30 जनवरी को सम्मेद शिखरजी से वापस रवाना होकर 31 जनवरी को जयपुर लौटेगा। इस स्पेशल ट्रेन यात्रा में यात्रियों को भोजन,आवास, बस सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रादल में स्थान आरक्षित करवाने की अंतिम तिथि शुक्रवार,20 जनवरी,2023 है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया।

जयपुर। श्री पद्मावती पुरवाल दिगंबर जैन समाज राजस्थान जयपुर द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम श्योजी गोधा जी की नसिया आमेर रोड में संपन्न किया गया।इस दौरान पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष पवन तिलक, सचिव संदीप जैन, उपाध्यक्ष अनिल जैन, कोकिल जैन, ममता जैन व आशी जैन सहित अन्य उपस्थिति रहे ।

जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी के संस्थापक अध्यक्ष
जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्दन रीजन के पीआरओ
श्री सुनील जी-आरती जी पहाड़ीया के सुपुत्र

श्री अरिहंत पहाड़ीया
के रोका सेरेमनी की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
शुभेच्छु: समस्त जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी परिवार

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्दन रीजन के PRO
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के पूर्व अध्यक्ष
हंसमुख व्यक्तित्व के धनी

डॉक्टर राजीव जी जैन
को सीकर सरस डेयरी मे
MD मनोनीत होने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
शुभेच्छु
समस्त जैन सोश्यल ग्रुप महानगर परिवार

लीनेस मेन का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

लीनेस क्लब जयपुर मेन का शपथ ग्रहण समारोह एक होटल में संपन्न हुआ। अध्यक्ष शोभा भार्गव और सचिव आशा खाखोलिया ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजसिको के चेयरमैन राजीव अरोड़ा , शपथ विधि अधिकारी ललिता मेहता, दीप प्रज्वलनकर्ता प्रसिद्ध आर्किटेक्ट रश्मि गुप्ता एवं स्टार आप द डे कनक डांडिया थे। कार्यक्रम में करीब 200000 रुपए के लाइव प्रोजेक्ट किये गए। विमला सोनी के सौजन्य से 100000 रुपए का चेक दिगंबर जैन कन्या विद्यालय चोरुको का रास्ता में दिया गया। ऊनी कंबल ,टी शर्ट्स, बच्चों की फीस आदि प्रोजेक्ट भी किए गए। राजीव अरोड़ा ने लीनेस के सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें अंगदान के कार्यक्रम में आगे आने का आह्वान किया ।अध्यक्ष शोभा भार्गव ने आगामी वर्ष की अपने कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई। रश्मि गुप्ता के

उल्लेखनीय कार्यों में से एक प्रसिद्ध ट्रेन पैलेस ऑन व्हील का इंटीरियर डिजाइनिंग है जिसकी सबने भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम का शानदार संचालन शशि सेन जैन ने किया।

बदाम सांई सेवा संस्थान: सीपी जोशी ने किया साल 2023 कलेण्डर का विमोचन

सेवाभावी सदस्यों सहित डॉक्टर्स को भी किया सम्मानित

उदयपुर. शाबाश इंडिया। सामाजिक सरोकार के लिए अग्रणी बदाम सांई सेवा संस्थान की ओर से शहर के ओटीसी ओडिटोरियम में वर्ष 2023 कलेण्डर का विमोचन कार्यक्रम हुआ। इसमें विधान सभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान इंटक जगदीश राज श्रीमाली और झाड़ोल प्रधान राधा देवी ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बाद में महेश उपाध्याय (अध्यक्ष बदाम सांई सेवा संस्थान) ने बताया कि संस्थान की ओर से कोविड काल के दौरान निःशुल्क मसालेदार चाय का वितरण महाराणा भुपाल चिकित्सालय एवं ईएसआई हॉस्पिटल में मरीजों एवं उनके तीमारदारों के लिए किया गया। इसके अलावा शहर और आसपास क्षेत्र में आवारा पशुओं के लिये प्रतिदिन रोटी की व्यवस्था भी संस्थान सदस्यों द्वारा नियमित की जा रही है। इसी क्रम में संस्थान द्वारा झाड़ोल तहसील के आदिवासी बहुल इलाके में श्री जी हॉस्पिटल के साथ निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इतना ही नहीं लम्पी वायरस के कठिन दौर में संस्थान द्वारा निशुल्क आयुर्वेदिक लड्डू बीमार गायों को खिला कर लम्पी वायरस की रोकथाम में महत्त्वपूर्ण मदद की गई। कार्यक्रम का संचालन रंजन कुमार पाण्डे एवं मो. युसूफ बागवान ने किया। कार्यक्रम में सी.पी.जोशी ने बदाम सांई सेवा संस्थान के वर्ष 2023 का कलेण्डर का विमोचन करते आदिवासी अंचल में शिक्षा के क्षेत्र में काम करने और ड्रॉप आउट बच्चों को स्कूल से जोड़ने की बात कही। साथ ही संस्थान के कार्यों में निस्वार्थ भाव से सेवा प्रदत्त करने वाले सदस्यों और कार्यकर्ताओं को शॉल ओढ़ाकर तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया। **इनको मिला सम्मान:** देवीलाल टांक, पन्नालाल पटेल, दिलीप जैन, पंकजमणी चौबिसा, रतनलाल पारीक, मांगीलाल जोशी, मांगीलाल पटेल, प्रभुलाल पटेल, रामलाल गायरी, लालसिंह, सूरजमल, राजेन्द्र मीणा, विजय पाल, पुष्कर, दिताराम, चंदूमल, मूलसिंह पडियार, उगम चौबिसा, रमेशचन्द्र पटेल, दिपेश जैन, प्रकाश लौहार, श्यामलाल चौबिसा (बांसड़ा गौशाला) के साथ डॉ. बी. एल. कुमार, डॉ. रमेश सेठिया, डॉ. पी.पी.शर्मा, डॉ. अरुण जोशी। अंत में श्रीमती सीमा उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। **रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939**

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में

देह को न सजाकर आत्मा को सजाया जाए: आचार्य श्री सुनील सागर महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज ने कहा कि, दौलत भी क्या चीज है आती है तो इन्सान भूल जाता है और चली जाती है तो इन्सान को भूल जाते है, इसके चले जाने भर से ऐसा लगता है कि, सब कुछ चला गया। यही तो अज्ञान है। हमारी उपस्थिति है तो, सभी सांसारिक चीजें है। हमने ही दौलत कमायी है या दौलत ने हमें पद, प्रतिष्ठा, रंग, रुप,नाम से तों दुनिया आपको जानती है जो इस मनुष्य जीवन मे कई बार बदलता रहता है,हमारी एक क्षमता है भगवान है तो ही, मन्दिर वंदनीय है। अतः अपने वास्तविक अस्तित्व की पहचान करनी चाहिये। आचार्यश्री ने शरीर के के बारे मे बताया कि इस देह के लिये ज्यादा विकल्प नहीं करना चाहिए। इसको ज्यादा सजाने- संवारने में वक्त बर्बाद नही करना चाहिये,अगर शरीर को सजाने मे जितना पसीना लोंग बहाते है उतना आत्म कल्याण के लिये बहाते है तो भगवान बन जाते। इंसान की भागदौड,जिम मशीन मे दौडने वाली मशीन जैसी है जहां वो कितनी भी दौंड लगाये पर मंजिल नही मिल सकती। दौड़ना ही है तो जिनालय की ओर आत्म कल्याण के लिये ,आत्म साधना के लिये दौड़ना चाहिये। देह का पोषण इतना मत कीजिए कि चेतना को भूल जाये,पुदगल शरीर मे जितना भोजन डालेंगे,उतनी ही इसकी वृद्धि होती जाएगी। आत्मा हमेशा स्थिर है, चेतना का कोई रुप नही है परन्तु आत्मा अपने ज्ञान दर्शन से शरीर के साधनो द्वारा रुपो को देखती है,जानना व देखना आत्मा का स्वभाव है ज्ञान,दर्शन से आत्मा पुद्गलों आदि को देखती है, रागादि भाव से बन्ध होता है,और जीव आत्मा भटकती रहती है,इस भटकाव से रुकने के लिये ही हमे जिन प्रतिमाओ के दर्शन करने चाहिये,लोकिक जीवन मे हम देखते है परन्तु मन्दिर में भगवान व मुनिराजों के हम दर्शन करते है, देखने व दर्शन करने मे बड़ा फर्क है, जिन देव के दर्शन करके हम सीखते है कि आपकी ऐसी शांत प्रतिमा है,ऐसे गुण आप में है भगवन,वैसा ही मैं भी बनू,आपके मार्ग पर चलूं। मन्दिर हमारी पाठशाला है, जैन तीर्थोंकरो की वाणी का सारांश यही है कि प्रत्येक जीव अपने चेतन स्वभाव को जाने,पकडें,समझे। राग, द्वेष व मोह के प्रपंच नही रखे तो जीव की शुद्धि होती है और आत्मा परमात्मा की और बढती है। मुनिराजों ,तपस्वियों के चरण जहां पड़ते है वहां आचरण के फूल खिलते है। जिनवाणी का मार्गदर्शन हमारे जीवन मे उतरना चाहिये। मानदमंत्री सुरेश कासलीवाल ने बताया कि नित्य की तरह ही धर्मसभा से पहले आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट आदि का कार्यक्रम हुआ। मंच संचालन इन्द्रा बडजात्या ने किया।

वेद ज्ञान

विश्वास की शक्ति

मनुष्य के जीवन में विश्वास करना सबसे कठिन कामों में से एक है। उसके मन-मस्तिष्क में अक्सर द्वंद्व चलता रहता है। कभी उसे कोई चीज सत्य जान पड़ती है, कभी वही चीज असत्य। जैसे कभी वह रस्सी को सांप समझ बैठता है, कभी सांप को रस्सी। इसलिए वह किसी पर एकदम से विश्वास नहीं कर पाता। वह मुख्यतः भ्रम की स्थिति में ही रहता है। कई बार उसे स्वयं पर भी विश्वास नहीं होता, जबकि उसके लिए इससे आसान कोई दूसरा काम नहीं होता। हर व्यक्ति अपनी क्षमताओं को भली-भांति जानता है। इसी आधार पर वह खुद पर विश्वास कर सकता है, लेकिन ज्यादातर लोग अपनी क्षमताओं को जानने के बावजूद इन्हें लेकर भ्रम की स्थिति में पड़ जाते हैं। इस उलझन में फंस जाते हैं कि वे संबंधित कार्य को पूरा कर पाएंगे या नहीं। हम प्रायः अपने बारे में नकारात्मक टिप्पणियों पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं और सकारात्मक टिप्पणियों की उपेक्षा कर देते हैं। इसी तरह हमें असफलता का भय ज्यादा डराता है और इस चक्कर में हम कई बार अपने कार्य शुरू ही नहीं कर पाते हैं। महात्मा गांधी कहते थे कि कुछ न करने से बेहतर है कुछ करना। हमें नकारात्मकता की बजाय सकारात्मकता पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। कई बार हम अपनी छोटी-छोटी उपलब्धियों को भी नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि ये दूसरे कार्यों में हमारी प्रेरणा बन सकती हैं। जब हम दूसरों की मदद करते हैं तब भी हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है, इसलिए दूसरों की मदद करनी चाहिए। अपने कर्म के प्रति हमें अपने भीतर इतना मजबूत विश्वास जगाना होगा कि हम उसे प्राप्त करके ही रहेंगे। जो व्यक्ति खुद पर विश्वास कर लेता है, उसके लिए दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं होता। मजबूत विश्वास से कर्म करने वालों की सृष्टि भी मदद करती है, जबकि विश्वास के अभाव में मनुष्य कार्य तक शुरू नहीं कर पाता। शास्त्रों में कहा गया है कि जिस काम को आप अंजाम देना चाहते हो, उसमें अपना विश्वास रखें और उसे करना जारी रखें। विश्वास करने से मनुष्य के विचार मजबूत होते हैं और मजबूत विचारों से किया गया कर्म फलदायी होता है। विश्वास से ईश्वर को भी पाया जा सकता है वरना वह मिट्टी की एक मूरत से ज्यादा नहीं है। जो व्यक्ति ईश्वर की शरण में आता है उसे यह विश्वास करना होता है कि ईश्वर सचमुच में है।

संपादकीय

अगले वर्ष के बजट अनुमानों पर पहुंचने में मदद

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 2016-17 में वित्तीय वर्ष के आखिर में राष्ट्रीय आय के प्रथम अग्रिम अनुमान (एफएई) को प्रकाशित करने की स्वस्थ परिपाटी शुरू की, जो समाप्त हो रही है। ये अनुमान अगले वित्त वर्ष के लिए बजट बनाने में उपयोगी होते हैं। अलबत्ता, वित्तीय वर्ष के केवल पहले आठ महीनों के उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित अनुमानों में मूल्यवान जानकारी होती है और कुछ संख्याओं का विस्तार किया जाता है। लेखा महानियंत्रक द्वारा नवंबर तक उपलब्ध राजस्व और व्यय के आंकड़े भी अच्छे संकेतक हैं। इनसे वित्त मंत्री को चालू वर्ष के लिए संशोधित अनुमान और अगले वर्ष के बजट अनुमानों पर पहुंचने में मदद मिल सकती है। अनुमान गड़बड़ हो सकते हैं। जहां तक अर्थव्यवस्था का संबंध है, तीन या चार महीने का समय काफी लंबा होता है। मार्च, 2020 के आखिर तक किसी को कोरोना विषाणु के प्रकोप और इसके तेजी से प्रसार का अनुमान नहीं हो सका था। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए बनाए गए बजट में सभी आंकड़े धराशाई हो गए। सितंबर 2008 में दुनिया को प्रभावित करने वाले अप्रत्याशित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संकट ने भारत सहित हर देश में विकास, मुद्रास्फीति और रोजगार के अनुमानों को बढ़ा दिया था। एनएसओ की छह जनवरी, 2023 को जारी प्रेस विज्ञप्ति से कुछ सबक और सुराग निकाले जा सकते हैं। ऐसा करने से पहले मैं उन निष्कर्षों को याद करना चाहूंगा, जो मैंने एक जनवरी, 2023 के स्तंभ में निकाले थे। मैंने आधिकारिक और विश्वसनीय स्रोतों से ली गई जानकारी के आधार पर 2023-24 के लिए दृष्टिकोण रखा था। मेरा सुझाव है कि हम एफएई पर नजर डालें और पूछें कि क्या उन निष्कर्षों को संशोधित करने की आवश्यकता है। कुछ उत्साहवर्धक तथ्य हैं: जीडीपी (15.4 फीसद) बजट अनुमान (11.1 फीसद) से अधिक होगी। राजस्व उत्साहजनक है और सरकार के पास अधिक पैसा ला सकता है। नतीजतन, 6.4 फीसद के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को हासिल करना आसान हो जाएगा। हालांकि कई काले धब्बे भी हैं। एफएई में कुछ भी मेरे निष्कर्ष को बदलने का कारण (आरबीआइ बुलेटिन के आधार पर) नहीं होगा कि ह्यजोखिमों का संतुलन तेजी से एक अंधेरे वैश्विक दृष्टिकोण की ओर झुका हुआ है और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएं अधिक कमजोर दिखाई देती हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में विकास को प्रेरित करने का जो कारक लग रहा है, वह है निजी उपभोग (जीडीपी का 57.2 फीसद)। आगे चलकर निजी उपभोग पर स्थिर मुद्रास्फीति और उच्च बेरोजगारी की मार पड़ेगी। विकास के अन्य कारक सपाट हैं- बहुप्रचारित सरकारी व्यय (जीडीपी का 10.3 फीसद) पिछले दो वर्षों की तुलना में कम होगा और वैश्विक व्यापार में मंदी (डब्लूटीओ के अनुसार) के पूर्वानुमानों के बीच निर्यात (जीडीपी का 22.7 फीसद) सपाट रहेगा। दूसरी चिंता आयात है, जो जीडीपी का 27.4 फीसद रहेगा। यह 2020-21 में 19.1 फीसद और 2021-22 में 23.9 फीसद से तेज उछाल का द्योतक है। उच्च निर्यात के बिना उच्च आयात का मतलब है कि हम उपभोग के लिए आयात कर रहे हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

वक्त के सवाल...

यह लेख आपके पास आ रहा है स्विट्जरलैंड से जो दुनिया के सबसे विकसित देशों में से एक है। जब भी किसी विकसित देश में आती हूं आजकल तो बहुत ध्यान से देखती हूं उसके विकसित कहलाने के कारण। पहले भी ध्यान दिया करती थी इन चीजों पर लेकिन जबसे नरेंद्र मोदी बने हैं भारत के प्रधानमंत्री, विकसित देशों के विकास में रुचि बढ़ गई है। इसलिए कि मोदी शायद पहले प्रधानमंत्री रहे हैं अपने महान देश के जिन्होंने विकसित बनने के सपने न सिर्फ दिखाए हैं हमको, साथ में ये भी बार-बार कहा है कि हम कुछ ही सालों में विकसित देशों की गिनती में आ जाएंगे। ऐसा करके मोदी ने देशवासियों को एक नया रास्ता दिखाया है। फिजूल की प्रशंसा करने की आदत नहीं है मुझे और न मैं अब मोदी भक्त हूं। लेकिन यहां मोदी की तारीफ कर रही हूं इसलिए कि मैंने समाजवाद का दौर देखा है जब हमारे शासक हमारी गरीबी पर नाज करते थे। जब कोई विदेशी आलोचक जिक्र करता था भारत की असफलताओं का तो हमारे राजनेता और आला अधिकारी अकड़ कर जवाब दिया करते थे कि भारत गरीब देश है, इसलिए उसकी तुलना किसी विकसित देश से नहीं की जा सकती है। अजीब-सा गर्व दर्शाते थे ये लोग भारत की गरीबी पर जैसे कि उनको डर था कि बात आगे बढ़ी तो उनकी नाकामियों पर अंगुली उठेगी। उठनी चाहिए भी, क्योंकि उनकी रद्दी नीतियों के कारण ही भारत गरीब रहा दशकों तक। उन्होंने भारत की गरीब जनता को कभी गुरबत से निकलने के औजार नहीं दिए। ये औजार हैं- अच्छे स्कूल, अच्छे अस्पताल, भरोसेमंद बिजली, अच्छी सड़कें और जीवित रहने का वह सबसे जरूरी साधन स्वच्छ पीने लायक पानी। जनता का पैसा उस समाजवादी दौर में हमेशा जाया किया जाता था। सिर्फ लोगों को गरीबी में जकड़े रख कर राहत पहुंचाने में। मुफ्त की बिजली मिलती थी चाहे आए, न आए। मुफ्त का पानी मिलता था चाहे आए, न आए। ऊपर से गरीब अशिक्षित लोगों को मुफ्त का अनाज देना ऐसे कि जैसे लोगों को लगे कि उनके शासक कितने मेहरबान हैं, कितने संवेदनशील। ज्यादातर गरीब, अशिक्षित लोग अपने देश में आज भी मानते हैं कि सरकारी पैसा खर्च किया जा रहा है उन पर इसलिए कि कभी उनको बताया नहीं जाता है कि पैसा जनता का है, सरकार का नहीं। ऐसा नहीं है कि मोदी ने उस रद्दी, झूठी समाजवादी सोच को बदल डाला है पिछले आठ वर्षों में, लेकिन ऐसा जरूर है कि उन्होंने परिवर्तन और विकास की बातें राजनीतिक बहस में लाने का काम किया है। लोगों को अहसास दिलाया है कि हमारा लक्ष्य है भारत को जल्द से जल्द विकसित बनाना। लक्ष्य बदलने से सब कुछ अचानक तो बदलता नहीं है, लेकिन लक्ष्य बदलने से परिवर्तन यह आया है भारत में कि अब आम आदमी भी मानता है कि भारत अवश्य आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। हम अगर इस लक्ष्य की तरफ तेजी से दौड़ नहीं रहे हैं अभी तक तो इसलिए कि मोदी के दौर में भी गरीबी हटाने के औजार नहीं दिए गए हैं गरीबों को। भाजपा शासित राज्यों में भी देहातों में अच्छे स्कूलों का सख्त अभाव है। कोविड की महामारी से सफलता से जूझने के बावजूद आज भी देहातों में अच्छे अस्पतालों का सख्त अभाव है। स्विट्जरलैंड में जब आई थी कोई दस साल पहले तो एक दोस्त के घर खाने पर गई थी, जिसके पास कोलंबो नाम का एक छोटा कुत्ता था।

विमल परिसर में हुआ जयकारों के बीच महामस्तकाभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया। सम्मेद शिखर तीर्थ स्थल के उद्धारक आचार्य श्री108 विमल सागर जी महाराज की स्मृति में टोंक रोड, बीलवा,आचार्य विमल सागर परिसर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में शांतिधारा,पंचामृत महामस्तकाभिषेक सहित अनेक धार्मिक आयोजन हुए। इस आयोजन में जयपुर शहर की विभिन्न कॉलोनियों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया और जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सुधर्म नंग अहिसा ट्रस्ट के अध्यक्ष आरसी जैन ने बताया कि सभी आयोजन गणिनी आर्यिका रत्न 105 नंगमति माताजी के सान्निध्य में सम्पन्न हुए। सुबह नित्य नियम पूजा के बाद शांतिधारा व पंचामृत के बाद जयकारों बीच महामस्तकाभिषेक हुआ। इस मौके पर आचार्य श्री की मूर्ति का पंचामृत अभिषेक हुआ। उन्होंने बताया कि आयोजन में चितामणि बज,दुलीचंद चांदवाड़,अशोक रेबड़ीवाला,जितेन्द्र जैन,निर्मल कुमार चांदकीका, सुनील पाटनी,उमेश पापड़ीवाल व जीसी जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे मौके पर गणिनी आर्यिका रत्न 105 नंगमति माताजी ने आचार्य श्री द्वारा सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर जी के लिए किए गए कार्यों का विस्तृत जानकारी दी,साथ ही तीर्थ क्षेत्रों के संरक्षण व संवर्धन के लिए एकजुट होने की बात कही।

श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा छठवां दिन

ज्ञान का सम्बर्धन करती है मथुरा लीलाः गोस्वामी श्री मृदुल कृष्ण

जयपुर. शाबाश इंडिया

गिर्राज संघ परिवार विश्वकर्मा जयपुर के 24 वें वार्षिकोत्सव पर विद्याधर नगर,सेक्टर-7 स्थित अग्रसेन हॉस्पीटल के पीछे चल रहे श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ के छठवें दिन सोमवार को परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज श्रीधाम वृंदावनवालों ने कहा कि प्रभु श्री कृष्ण की मथुरा लीला जीव के हृदयान्धकार को नष्ट कर ज्ञान का विकास करती है। जिस ज्ञान के माध्यम से जीव पूर्ण ब्रम्हा श्रीकृष्ण से साक्षात्कार करता है।मथुरा लीला प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला ने में अज्ञान रूपी कंस का उद्धार कर ज्ञान का सम्बर्धन किया। यहाँ तक कि साक्षात बृहस्पति के शिष्य उद्धव जी के ज्ञान को प्रभु ने गोपियों के द्वारा भक्ति का चादर उड़ाकर परिपूर्ण किया। स्वयं परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला में ही गुरू सान्दीपनि के सान्निध्य में चैसठ दिनों तक रहकर ज्ञान प्राप्त किया। अतः प्रभु की मथुरा लीला श्रवण करने मात्र से भक्त के हृदय में ज्ञान का उदय होता है।

महावीर ट्रस्ट कम सुनने वाले बच्चों का परीक्षण कराकर उन्हें श्रवण यंत्र देगा

इंदौर. शाबाश इंडिया

महावीर ट्रस्ट 3 से 15 वर्ष तक के उन गरीब एवं असहाय बच्चों के कानों का चिकित्सकीय परीक्षण करवाएगा जिन्हें कम सुनाई देता है अथवा सुनने में कोई परेशानी होती है। ऐसे बच्चों को विशेषज्ञ चिकित्सक के निर्देश अनुसार आवश्यकता होने पर v-guard के सहयोग से श्रवण यंत्र (हियरिंग एड मशीन) निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इस कार्य में अरविंदो हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर का भी तकनीकी सहयोग ट्रस्ट को प्राप्त होगा। ये उदगार ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री अमित कासलीवाल ने से प्रारंभ किए गए प्रोजेक्ट सुनो के शुभारंभ अवसर पर बड़ी ग्वालटोली स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में व्यक्त किए। मुख्य अतिथि वार्ड नंबर 48 की पार्षद श्रीमती विजयलक्ष्मी गोहर, पूर्व पार्षद नंदू बोरासी एवं जितेंद्र चौधरी थे। श्रीमती गोहर ने अपने संबोधन में ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे परोपकारी कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे वार्ड नंबर 48 से इस प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया जाना वार्ड का सौभाग्य है। ट्रस्ट के महामंत्री बाहुबली पांड्या ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए ट्रस्ट की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि ट्रस्ट 40 वर्षों से परमार्थ के कार्य करता आ रहा है। ट्रस्ट के द्वारा आज फिजियोथैरेपी केंद्र, डेंटल क्लीनिक, विकलांग केंद्र, गर्ल्स हॉस्टल, कॉविड वैक्सीन टीकाकरण एवं सन्मति वाणी पत्रिका का प्रकाशन आदि योजनाएं सुचारू रूप से चल रही है। मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि शुभारंभ के मौके पर 150 बच्चों के कानों का परीक्षण किया गया, रिपोर्ट देखकर आवश्यकता अनुसार उनका मेडिकल उपचार कराया जाएगा एवं चिकित्सक के निर्देशानुसार आवश्यकता होने पर उन्हें श्रवण यंत्र भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर श्री अनिल रावत, प्रियदर्शी जैन, विजय काला, प्रवीण जैन आदि गणमान्य जन उपस्थित थे। आभार ट्रस्टी कीर्ति पांड्या ने माना।

अग्रवाल डायमंड पर सर्टिफाइड डायमंड सॉलिटेयर,अंगूठियां एवं इयररिंग्स का लाजवाब कलेक्शन

कोटा. शाबाश इंडिया। चौपाटी बाजार स्थित अग्रवाल डायमंड एंड गोल्ड शोरूम पर चल रहे वैवाहिक सीजन को देखते हुए सर्टिफाइड सुविचार में अंगूठियां एवं इयररिंग्स एवं पेंडेंट ज्वेलरी का लेटेस्ट कलेक्शन आया हुआ है। जानकारी देते हुए अग्रवाल डायमंड की निदेशक श्रीमती माधुरी जैन सर्राफ ने बताया कि हमारे शोरूम में भारत सरकार के द्वारा प्रमाणित लेबोरेटरी से सर्टिफाइड वास्तविक हीरों का लाजवाब बेहतरीन डिजाइनर लेटेस्ट कलेक्शन आया हुआ है जो शोरूम पर प्रदर्शित किया गया है।

भव्य जीव मोक्षगामी हो सकता है: आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

पंचकल्याणक पत्रिका का विमोचन एवं कार्यालय का शुभारंभ हुआ

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना । जीव दो तरह के होते हैं, भव्य और अभव्य । भव्य वह जीव होते है जो मोक्ष जा सकते हैं, अभव्य जीव वह होते है जो कभी मोक्ष नहीं जा सकते। जैसे आप मूंग के दाने उवालते हैं, उनमें से कुछ दाने कड़क रह जाते हैं जिसे ठर्रा मूंग कहते है, उन्हें कितना भी उवालो, वह कड़क ही रहेंगे। इसी प्रकार अभव्य जीव कितना भी प्रयास करले, कभी मोक्षगामी नहीं बन सकता और भव्य जीव प्रयास करने पर मोक्षगामी बन सकता है । उक्त विचार जैन साध्वी गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने बड़े जैन मंदिर में श्री पंचपरमेष्ठी विधान के दौरान धर्म सभा में व्यक्त किये। श्री ज्ञानतीर्थ जिनविम्ब पंचकल्याणक के निमित्त 21 लाख जाप्यनुष्ठान के समापन पर आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी एवं गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के पावन सान्निध्य में श्री पंच परमेष्ठी विधान का आयोजन किया गया। विधान की समस्त क्रियाएं पंडित महेंद्रकुमार शास्त्री एवं संजय शास्त्री ने सम्पन्न कराई। इस अवसर पर बड़े जैन मंदिर मुरेना में ज्ञानतीर्थ पर आयोजित होने जा रहे श्री पंचकल्याणक महोत्सव के कार्यालय का पांचवी बटालियन के कमांडेंट विनीत जैन मुरेना ने रिबिन खोलकर शुभारम्भ किया। श्री पंचपरमेष्ठी विधान के मध्य ज्ञानतीर्थ पंचकल्याणक महोत्सव की पत्रिका का विमोचन आई पी एस विनीत जैन, महेंद्र कुमार शास्त्री, जगदीशचंद भैयाजी, महेशचंद बंगाली, धर्मेंद्र जैन एडवोकेट, प्रेमचंद, पवन, जवाहर लाल, पदमचंद, दर्शनलाल, राजकुमार, वीरेंद्रकुमार, ओमप्रकाश, सुरेश बाबूजी, मनोज नायक, विजय जैन, सुनील जैन, महेश जैन, प्रदीप जैन, सुनीत जैन, अनिल जैन सहित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया । विमोचन के पश्चात पत्रिका की प्रथम प्रति आचार्य श्री एवं पूज्य गुरुमां को समर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ । प्रारम्भ में समाज के श्रेष्ठीवर्ग द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया । अंत में पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को एकजुटता के साथ पूज्य गुरुदेव के सपनों को पूरा करना हैं । आज भले ही गुरुदेव हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आदर्श एवं सिद्धांत हम सभी के ह्रदय में विराजमान हैं और सदैव रहेंगे।

तीर्थ भूमि पर तन के साथ मन की गर्मी भी दूर हो जाती है: आर्यिका श्री अमूल्य मति माताजी

शीतकालीन वाचन के लिए कमेटी ने किया श्री फल भेंट

आर्यिका संघ का थूवोनजी में हुआ प्रवेश

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

आर्यिका श्री अमूल्य मति माताजी ने कहा कि तन की भी गर्मी मिटे मन की भी मिट जाये । तीर्थ जहां पर उभम सुख अमिट अमित मिल जाए यहां आचार्य श्री ने कहा तीर्थ स्थान ऐसा भूमि है जहां तन की गर्मी के साथ मन की आकुलता मिट जाती है मन में शांत रहे और जिन विम्व के दर्शन मिल जाए तो निध्ति निकाचित कर्म का भी क्षय हो जाता हैं । वे कर्म भी कट जाते हैं जिनका फल मिलना निश्चित है। आचार्य श्री ने जिन्हें तीज के दिन दीक्षा देकर तीर्थ बनाया आज वे तीर्थों का किस तरह से उद्धार के साथ विकास की प्रेरणा दे रहे हैं ऐसे निर्यापक श्रमण मुनिश्री सुधा सागर जी महाराज को एक बार आप ले आने में सफल हो गए तो थूवोनजी आकाश की ऊंचाई को प्राप्त करेगा उक्त आश्य के उद्गार आर्यिका रत्न श्री आराध्य मति माताजी ने अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। **तीर्थ के विकास में मंडलो की विशेष भूमिका है:** कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि

माताजी आपका वर्षों बाद आगमन हुआ है सर्दी बहुत तेज है ऐसे में शीत कालीन वचना का निवेदन हम सब कर रहे हैं। परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के आशीर्वाद से यहां रोज रोज युवाओं के समूह यहां आते हैं और भगवान की पूजन अर्चन सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। इसके पहले दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने आर्यिका रत्न श्री अमूल्यमति माताजी ससंघ, श्री आराध्य मति माताजी, श्री अलोलमति, श्री अनमोल मति माताजी, श्रीआज्ञा मति माताजी ससंघ को श्री फल भेंट कर शीत कालीन वचना का निवेदन कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू मिल, उपाध्यक्ष राकेश अमरोद, महामंत्री विपिन सिंघाई, प्रचार मंत्री विजय धुर्रा, आडीटर राजीव चन्देरी, विक्की भइया, संजय जैन, मंगलवार मंडल के धनकुमार वल्ला, रिषभ कोरवास, सुनील जैन, सम्यक जैन, आजाद महाना, महावीर धुर्रा सहित अन्य भक्तों ने श्री फल भेंट किए। **पहली बार थूवोनजी में किया था कैसो का लोचन:** इस दौरान आर्यिका श्री आराध्य मति माताजी ने कहा कि1987 में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का यहां चातुर्मास हो रहा था हम यहां आये और यही के होकर रह गए हमने अपने केसो को अपने ही हाथों से लोचन पहली बार इसी तीर्थ भूमि पर किया था बहुत मुश्किल होता है वालों को अपने हाथों से उखाड़ना लेकिन जब आ जाता है तो ये असम्भव लगने वाला कार्य भी संभव हो जाता है ।आचार्य श्री विद्यासागर कहने लगे कल यदि पड़ने लग जायेगी तो फिर क्या करोगे वैराग्य के लिए पूर्ण स्थिरता चाहिए सिर्फ केसलोच से काम चलने वाला नहीं है दस प्रकार के मुडंन होते हैं हस्त, पाद, पांच इन्द्रीय के साथ ही मन का मुंडन आवश्यक है वहीं स्थिरता का कारण है मुड मुंडन तो आसान है लेकिन मन का मुंडन करना बहुत कठिन है।

दिगम्बर जैन सोशल गुलाबीनगर ग्रुप द्वारा पशु पक्षियों के लिए सहायतार्थ

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल गुलाबीनगर ग्रुप द्वारा 17 जनवरी को हेल्प इन सफरिंग महारानी फार्म, दुर्गापुरा में पशु पक्षियों के चुग्गा पानी एवम दवाइयों हेतु चेतन रेखा जैन के सहयोग से राशि रुपये 5100/-भेंट की। कार्यक्रम में सुनील-सुमन बज अध्यक्ष, विनोद- सुशीला बड़जात्या सचिव, महेंद्र- संतोष पाटोदी, कैलाश- शशी पाटनी, महावीर- मुन्ना पांड्या, देवेंद्र जैन, निर्मल सेठी, चेतन -रेखा जैन, प्रवीण सेठी तथा अन्य गणमान्य लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। डॉ सव्य सांची के निर्देश पर अर्जुन द्वारा घायल, बीमार, पशुओं पक्षियों के सभी वार्डों का भ्रमण कराया व पूर्ण इलाज की जानकारी दी। वर्तमान में गाय 7, बन्दर 7, घोड़ा 5 , स्वान 348, बिल्ली 17, पक्षी 276, खरगोश 10, मुर्गी 3, शेल्टर डॉग 16, कुल जानवर 689 का इलाज चल रहा है।

रेबीज मुक्त जयपुर बनाने की मुहिम

रेबीज टीकाकरण करवाना सभी पशुपालकों की जिम्मेदारी: सक्सेना

57 श्वानों को लगाये गए एंटीरेबीज के टीके

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रदेश में पशु कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत वर्ल्ड संगठन, एनिमल वैल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड, जयपुर जिला पशु क्रूरता निवारण समिति तथा पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान मे रेबीज फ्री जयपुर अभियान का आयोजन किया जा रहा है जिसमे एनिमल वैल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि तथा एनिमल वेल्फेयर ऑफिसर मनीष सक्सेना ने बतलाया कि रेबीज फ्री जयपुर अभियान के अन्तर्गत गाँधीनगर, मानसरोवर तथा जामडोली स्थित राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयो मे श्वानो के लिए नि:शुल्क एण्टी रेबीज कैम्प का आयोजन किया गया जिसमे वरिष्ठ पशुचिकित्सक डॉ. अनिल कुमार शाडिल्य, डॉ. लोकेश छीपा तथा डॉ. रिन्कू गुप्ता ने 57 श्वानो का एंटीरेबीज टीकाकरण किया साथ ही कृमीनाशक एवं कैल्शियम का घोल भी पिलाया। कैम्प मे वर्ल्ड संगठन की उपनिदेशक एवं जिला पशु क्रूरता निवारण समिति की सदस्य नम्रता, रेबिज कंट्रोल यूनिट की प्रभारी डॉ. ऊषा चौधरी, विष्णु दत्त शर्मा, यश्वन्त सिंह तथा राजा भी उपस्थित रहे। गाँधीनगर स्थित राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय के वरिष्ठ पशुचिकित्सक डॉ. अनिल कुमार शाडिल्य ने बताया कि अभियान के तहत दिसंबर माह मे 400 से भी अधिक बेसहारा श्वानो का एंटीरेबीज टीकाकरण किया गया। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार सेन ने बतलाया कि वर्ल्ड संगठन, एनिमल वैल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड, जयपुर जिला पशु क्रूरता निवारण समिति तथा पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान मे वर्ल्ड पशु कल्याण पखवाड़े के तहत रेबीज फ्री जयपुर अभियान चलाया जा रहा है।

मैं पेट की बीमारी से टूट गया हूँ, डॉक्टर हर बार नया अल्ट्रासाउंड करना बता देते हैं...

अब मेरे पास एक भी पैसा बचा नहीं, मैं क्या करूं?

शाबाश इंडिया

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

पेट की सभी बीमारी का मूल कारण है, बिना नहाए अन्न, बिस्कुट आदि का भक्षण या स्नान किए बिना नाश्ता, पराठा आदि लेना। माधव निदान और चरक संहिता में बहुत स्पष्ट रूप से निर्देश है कि जो लोग बिना नहाए कुछ भी आन्नादि लेते हैं, तो उनकी पाचन अग्नि दूषित होकर अनेक उदर विकार उत्पन्न करती है।

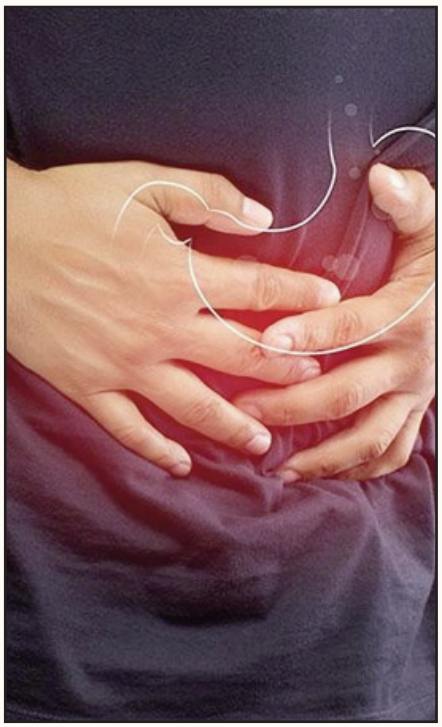

अत: निवेदन है कि सुबह उठकर सर्वप्रथम सादा जल पीना। गर्म पानी का उपयोग कतई न करें। पानी के बाद चाय, काढ़ा पीना हो, तो पीकर पकाना जाएं और स्नान करके ही बाहर निकलें

स्नान पश्चात 15 से 20 मिनिट का ध्यान आपकी किस्मत बदल देगा। डिप्रेशन से मुक्त रखेगा। फिर कुछ भी खाने पीने का विचार करें। आज देश में 72 फीसदी लोग पेट की बीमारी से ग्रसित हैं और हजारों इलाज कराने के बाद भी रोग जाता नहीं है। इन 72 प्रतिशत लोगों में 66% व्यक्ति ऐसे हैं, जो बिना स्नान के खाते हैं और यही पेट विकार से बीमार हैं। आजकल नया फैशन चल में है कि अधिकांश युवा पीढ़ी स्नान, ध्यान पूर्व नाश्ता कर लेती है, जिससे पेट की सभी सप्त अग्नियाँ गंभीर रूप से संक्रमित होने लगती है। परिणाम स्वरूप कभी पेट दर्द, कभी

अम्लपित्त, कभी पित्त की वृद्धि, तो कभी पेट दर्द आदि समस्यायों से शरीर जकड़ने लगता है। चक्रदत्त ग्रंथ में स्पष्ट रूप से कहा गया कि एक बाल्टी जल, सब रोगों का हल है। यानि एक बाल्टी पानी शरीर पर डालकर आप मानसिक और शारीरिक परेशानियों से मुक्त रह सकते हैं। अवसाद या डिप्रेशन की पक्की चिकित्सा है स्नान, एक जगह तो ये भी लिखा है कि जब जब दिन या रात में मानसिक दिक्कत हो, डिप्रेशन आए, तो तुरंत एक बाल्टी पानी भरकर सीधे सिर पर ये समझकर डालें जैसे हम किसी शिवलिंग पर जल अर्पित कर रहे हैं अर्थात अपने सिर को शिवलिंग माने। भेषज्य रत्नाकर ग्रंथ के अनुसार पेट की सारी बीमारी की जड़ लिवर की कमजोरी है। क्योंकि भोजन को पचाकर यकृत ही शरीर में रस, रक्त, बाल, वीर्य, मांस, मज्जा का निर्माण कर साप धातुओं का संतुलन बनाता है। आयुर्वेदिक और अध्यात्मिक उपाय, आपको केवल बड़े धैर्य के साथ आयुर्वेदिक लिवर टॉनिक **KeyLiv Strong Syrup** खाने के पूर्व 2 चम्मच एक गिलास पानी में मिलाकर और खाने के बाद डए छक्ष कैप्सूल सादे जल के साथ का 5 से 8 माह तक नियमित सेवन करना चाहिए। अध्यात्मिक टोटके या उपचार, ज्योतिष जातक के मुताबिक ब्रह्माण्ड का हरेक प्राणी प्रारब्ध यानि पूर्व जन्म के कर्म, कुकर्मो से पीड़ित रहता ही है। श्रीमद्भगवत गीता का भी यही ज्ञान है। इनसे मुक्ति के लिए अन्न दान का विशेष महत्व बताया गया है। गुरुवार को गेहूं चने की चार मोटी रोटी बनाकर उस पर हल्दी, सेंधा नमक और देशी घी लगाकर किसी नंदी, बैल या साढ़ को खिलाकर उसके कान में 5 बार ॐ शिव कहकर बीमारी से मुक्ति के लिए प्रार्थना करें। रविवार को दिन में 11.25 से 12.20 के बीच अपने वजन के बराबर खाने का समान जैसे गेहूं, जौ, बाजरा, पलक, केले, फल, पीना, चुनी आदि सब वस्तुओं को मिलाकर घोड़ा, गधा, गाय, बैल, हिरण आदि जानवरों को 7 रविवार तक खिलाने से तन, मन और अंतर्मन के सारे दोष समाप्त हो जाते हैं। हर महीने की अमावस्या तिथि के एक दिन पहले चतुर्दशी को मास शिवरात्रि भी कहते हैं। यह महाशिवरात्रि के अलावा एकादश शिवरात्रि 11 मास में आती हैं। जीवन को स्वथ्य और सुखमय बनाने के लिए शिवरात्रि को शाम 6 से रात 12 बजे तक किसी शिवालय पर जाकर 5 माला ।। ॐ शंभूतेजसे नमः शिवाय।। का जाप करते हुए सादे जल में थोड़ा सा कच्चा दूध मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करने से दुर्भाग्य भी भाग जाता है। संभव हो तो शिव मंदिर में अपनी उम्र के मुताबिक दीपदान करें।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

अपेक्षा करने वालों की उपेक्षा ना करें क्योंकि नजर अंदाज रूह को भेद जाती है

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

दुनिया में ऐसा कोई भी इन्सान नहीं है जो अपेक्षा नहीं रखता हो। यह सत्य भी है कि अपेक्षा की जब उपेक्षा होती है तो मन बहुत दुखता है। हम दूसरों से सम्मान लेना चाहते हैं परन्तु सम्मान देना नहीं चाहते। संसार का कोई भी प्राणी हो, वह अपमानित होकर जीना पसंद नहीं करता। यदि कोई हमारा अपमान करता है या उपेक्षा करता है तो हम उद्वेलित हो जाते हैं, अपना आपा खो देते हैं और प्रतिक्रिया देना शुरू कर देते हैं। ऐसा तब होता है जब हमारे आत्म सम्मान को या स्वाभिमान को ठेंस पहुंचती है। समझदार व्यक्ति वह है, जो दूसरों की फिक्र किये बिना, अपने आत्म सम्मान की ऊंचाई पर स्थिर होकर गाली को गीत में, आलोचना को प्रशन्सा में, अपमान को सम्मान में परिवर्तित कर दे। यह तब सम्भव होगा, जब हमें हमारी पहचान होगी। आत्म सम्मान और स्वाभिमान में गहरा रिश्ता है। एक दूसरे के बिना दोनों अधूरे हैं। हमने बचपन से पढ़ा और सुना है कि सम्मान दोगे तो सम्मान मिलेगा, गीत गाओगे तो दुनिया तुम्हारे गीत गायेगी, प्रेम दोगे तो प्रेम मिलेगा, पड़ोसी के घर नमकीन भेजोगे तो वहाँ से मीठाई का डिब्बा आयेगा, और पत्थर फेकोगे तो बन्दूक की गोली आना निश्चित है। यदि हम आत्म सम्मान और स्वाभिमान का जीवन जीना चाहते हैं तो जो खुद को पसंद हो वह देना शुरू कर दो। फिर देखो जीवन जीने का आनंद कैसे आता है।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भव्य पंचकल्याणक महोत्सव 27 जनवरी से

पंचकल्याणक आमंत्रण पत्रिका का उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज के सानिध्य मे हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

धर्म नगरी जयपुर के प्रताप नगर सेक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आगामी 27 जनवरी से 1 फरवरी तक छ दिवसीय भव्य श्रीमज्जिनेन्द्र शांतिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का भव्यातिभव्य आयोजन होने जा रहा है। आयोजन समिति के अध्यक्ष कमलेश जैन बावड़ी के अनुसार छ दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव में वात्सल्य रत्नाकर आचार्य विमल सागर जी महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज का पावन सानिध्य प्राप्त होगा। इसी कड़ी में समारोह की आमंत्रण पत्रिका का विमोचन आज पूज्य उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज के सानिध्य में समाज श्रेष्ठि राकेश कुमार, श्रीमति रेखा, कशिश, दिव्यांश जैन करवर वाले के कर कमलों से संपन्न हुआ। महोत्सव समिति के संयोजक शिखर सारसोप ने बताया कि महोत्सव में पंडित सुधीर मार्तंड जी का मार्ग दर्शन मिलेगा। मंदिर समिति मंत्री महेश सेठी के अनुसार श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रताप नगर सेक्टर 8 का शिलान्यास 4 जून 2004 को और प्रथम तल पर वेदि प्रतिष्ठा 10 जून 2005 को पूज्य उपाध्याय श्री के सानिध्य में ही हुआ था तब मंदिर बहुत छोटा था, समय और समाज की मांग के अनुसार आज भव्य जैन मंदिर का निर्माण हुआ है और इसी मंदिर के भूतल पर तीन वेदीयों में पाषाण की प्रतिमाएं स्थापित करने हेतु आगामी पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। पंचकल्याणक महोत्सव आयोजन समिति के महामंत्री बाबू लाल ईटूंदा के अनुसार छ दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव में पाषाण से भगवान बनाने की प्रक्रिया होगी।